www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 जब बिहार में पूर्वी भारत के विकास की...

3 डॉ. विजय कपूर को आकाशवाणी नई दिल्ली द्वारा...

4 अपने घर आंगन एवं खेत खलियान में करें...

वर्ष: 9 | अंक: 270 | दिल्ली, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

## संक्षिप्त समाचार

### बिहार में एक लाख मतदाताओं के बारे में पता नहीं चल सका: निर्वाचन आयोग

**नई दिल्ली (एजेन्सी)।** निर्वाचन आयोग ने बुधवार को कहा कि बिहार में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान में लगभग एक लाख मतदाताओं का पता नहीं चल पाया है, जबकि 7.17 करोड़ लोगों के गणना प्रपत्र प्राप्त हुए हैं जिन्हें डिजिटल रूप से दर्ज किया जा चुका है। इसने यह भी कहा कि 20 लाख मतदाताओं की मौत होने की सूचना अब तक मिली है, जबकि 28 लाख अन्य मतदाता अपने वर्तमान पते से स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं। आयोग ने बताया कि 15 लाख मतदाताओं के गणना प्रपत्र स्थानीय चुनाव अधिकारियों को वापस नहीं किए गए हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के पहले चरण के पूरा होने के बाद एक अगस्त को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

### सपा की नजर में संविधान का कोई सम्मान नहीं: ब्रजेश पाठक

**उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)।** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर संवैधानिक मूल्यों के विरुद्ध काम करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि विपक्षी दल को संविधान की कोई परवाह नहीं है। पाठक ने संसद के पास स्थित एक मस्जिद में सपा सांसदों की बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे तुष्टीकरण की राजनीति बताया और कहा, समाजवादी पार्टी का संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। सपा नेता बार-बार जनता के सामने नमाजवादी बनकर सांप्रदायिक राजनीति करते हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, सपा वही पार्टी है जिसने अयोध्या में निहत्थे राम भक्तों पर गोलियां चलवाई और सरयू (नदी) को खून से लाल कर दिया। उन्होंने सनातन संस्कृति की जड़ों को लगातार चोट पहुंचाने की कोशिश की है मगर सफल नहीं हो सके। पाठक ने दावा किया कि राज्य की जनता ऐसी राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने सपा के सत्ता में लौटने की संभावना को खारिज कर दिया।

# ऑपरेशन सिंदूर पर संसद में होगी महाबहस, लोकसभा में राष्ट्रीय खेल शासन बिल पेश

**(एजेन्सी)।**

**नई दिल्ली।** संसद के मानसून सत्र के तीसरे दिन बिहार के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभ्यास और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विपक्षी सदस्यों द्वारा लगातार नारेबाजी के बाद दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। पहलगाम और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने भी बुधवार को संसद के बाहर बिहार के एसआईआर मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन किया।

इस बीच, सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन सिंदूर पर विस्तृत चर्चा 29 जुलाई को राज्यसभा में निर्धारित की गई है, जिसके लिए 16 घंटे का समय आवंटित किया गया है। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में

**मानसून सत्र के तीसरे दिन भी जारी रहा हंगामा**

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कुछ अन्य मुद्दों को लेकर बुधवार को भी सदन में हंगामा किया, जिसके कारण दो बार के स्थगन के बाद कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में बुधवार को सरकार ने एक विधेयक पेश किया जिसके प्रावधानों के दायरे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी आएगा तथा इसमें भले ही बीसीसीआई की स्वायत्तता को बरकरार रखा गया है किंतु उससे जुड़े विवादों का निस्तारण राष्ट्रीय पंचाट के जरिये करवाने का प्रस्ताव है। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इन प्रावधानों वाला सदन में राष्ट्रीय खेल शासन विधेयक,

2025 पेश किया। खेलों में डोपिंग रोधी उपायों को बढ़ाने के उद्देश्य से बनाए गए एक कानून में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के सुझावों के मुताबिक बदलाव शामिल करते हुए एक संशोधन विधेयक बुधवार को लोकसभा में पेश किया गया। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सदन में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी संशोधन विधेयक, 2025 पेश किया।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख घटक जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद गिरिधारी यादव ने बुधवार को लोकसभा में दावा किया कि पिछले 11 वर्षों में बिहार को एक भी नई ट्रेन नहीं मिली, जबकि केंद्र में राजग की सरकार लाने में इस प्रदेश की बड़ी भूमिका है। इस पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मोदी सरकार ने बिहार के लिए पांच नई अमृत भारत रेलगाड़ियां चलाई हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में तख्तियां लेकर प्रदर्शन करने वाले सांसदों पर निर्णायक कार्रवाई की चेतावनी देते हुए बुधवार को नारेबाजी कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा कि वे सड़कों का आचरण संसद के भीतर कर रहे हैं, जबकि वो माननीय हैं और उनका व्यवहार माननीय जैसा ही होना चाहिए।

बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के विरोध के चलते राज्यसभा की कार्यवाही बुधवार को बाधित रही और दो बार स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर पांच मिनट पर बैठक पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

## 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारों के साथ कांवड़ यात्रा का समापन

**(एजेन्सी)।**

**हरिद्वार।** उत्तराखंड का हरिद्वार बुधवार को 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा। पखवाड़े भर चली कांवड़ यात्रा का समापन हो गया। लाखों श्रद्धालु सावन शिवरात्रि पर पवित्र नदी का जल लेने और शहर के शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए गंगा तट पर उमड़ पड़े।

मेला नियंत्रण कक्ष के सूत्रों के अनुसार, इस वर्ष कांवड़ यात्रा के दौरान गंगा जल लेने के लिए एक पखवाड़े के भीतर 4.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचे। कनखल क्षेत्र में स्थित दक्षप्रजापति महादेव मंदिर परिसर में भगवाधारी भक्तों का तांता लगा रहा, जिसे भगवान शिव का ससुराल माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, अपने ससुर राजा दक्ष को दिए वचन का पालन करते हुए, भगवान शिव पूरे श्रावण मास कनखल में निवास करते हैं।

कनखल के अन्य शिवालयों, जैसे दरिद्र भंजन, तिलभांडेश्वर, बिल्वेश्वर, नीलेश्वर और गौरीशंकर मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमोद डोभाल ने भी अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ हर की पौड़ी पर गंगा पूजा की। उन्होंने वहाँ से जल लेकर दक्ष मंदिर में जलाभिषेक किया और हर साल करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा आयोजित कांवड़ मेले के निर्विघ्न समापन के लिए भगवान शिव का आभार व्यक्त किया।

सावन शिवरात्रि पर शिव मंदिरों में भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजा अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं।

## सीएम नायब सिंह सैनी ने इस वर्ष राज्यभर में 2.10 करोड़ पौधे लगाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की करी घोषणा

### पर्यावरण संरक्षण सरकार और नागरिकों की सामूहिक जिम्मेदारी-सैनी

**एसबी संवाददाता**

**चंडीगढ़।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वस्थ और सतत भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस वर्ष प्रदेशभर में 2.10 करोड़ पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य के लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान करते हुए कहा कि इस मानसून के मौसम में प्रत्येक परिवार कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के पहले चरण में, हरियाणा में 1.60 करोड़ पौधों के तय लक्ष्य से भी अधिक 1.87 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नागरिकों के सहयोग से हम एक बार फिर इस लक्ष्य को पार कर लेंगे।

मुख्यमंत्री पंचकूला जिले के मोरनी में आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि वन विभाग द्वारा शुरू किए गए वृक्षारोपण की हर साल ड्रोन का उपयोग करके जियो-टैगिंग और नियमित रूप से मैपिंग की जाएगी। हरियाणा में वन क्षेत्र बढ़ाने में योगदान देने के लिए इन पौधों के विकास की निगरानी पाँच वर्षों तक की जाएगी। अक्टूबर

2014 से, राज्यभर में लगभग 18 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने वन एवं वन्यजीव विभाग द्वारा प्रकाशित दो पुस्तिकाओं का विमोचन भी किया, जो मोरनी क्षेत्र में ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए हर्बल वाटिका और नेचर ट्रेल्स के विकास पर केंद्रित हैं। कालका विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा द्वारा रखी गई मांगों पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि संबंधित विभागों द्वारा फिजिबिलिटी चेक किए जाने के बाद विकास संबंधी सभी मांगों को पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव वृक्षों की सुरक्षा और क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बात पर जोर दिया कि सरकार के अलावा, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना प्रत्येक व्यक्ति की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से कम से कम एक पौधा लगाने और कम से कम पाँच वर्षों तक अपने बच्चों की तरह उसकी देखभाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पेड़ न केवल ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, जो जीवन के लिए आवश्यक है, बल्कि जलवायु परिवर्तन से निपटने और प्रकृति के संतुलन को बहाल करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रगति की चाह में, कई पेड़ काटे गए हैं, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है और प्रकृति व लोगों के स्वास्थ्य दोनों को नुकसान पहुँच रहा है। वन महोत्सव केवल वृक्षारोपण कार्यक्रम नहीं है; यह एक प्रतिबद्धता है जो हमें याद दिलाती है कि प्रकृति हमारा जीवन है और इसकी रक्षा हमारा परम कर्तव्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मोरनी क्षेत्र के समग्र विकास को सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। वर्ष 2014 से अब तक कालका विधानसभा क्षेत्र में 2,446 करोड़ रुपये के विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि कांग्रेस सरकार के 10 साल के कार्यकाल में केवल 304 करोड़ रुपये के ही काम हुए थे।

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानसरोवर मंदिर में किया रुद्राभिषेक

**(एजेन्सी)**

**उत्तर प्रदेश।** सावन की महाशिवरात्रि देश के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और तड़के से ही रोशनी से सजे शिव मंदिरों में 'हर-हर महादेव' के जयकारे गूंजने लगे। इसी पावन अवसर पर मुख्यमंत्री और गोरखपीठ के मुख्य पुजारी योगी आदित्यनाथ ने महाशिवरात्रि के भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। उन्होंने हवन और अन्य अनुष्ठान भी किए और लोगों की खुशहाली की कामना की। सावन शिवरात्रि के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को

अँधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्राचीन मानसरोवर मंदिर में मुख्यमंत्री ने महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा आदि पूजन सामग्री अर्पित कर जल, गोदुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। गोरखनाथ मंदिर के पुरोहितों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों का पाठ कर रुद्राभिषेक कराया। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉक्टर मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) डॉक्टर धर्मेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

## छात्रों की स्कॉलरशिप और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन सरकार की प्राथमिकता: रविन्द्र इंद्राज

### मंत्री ने बवाना विस की स्कूलों में छात्रों का बढ़ाया उत्साह

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार के समाज कल्याण एवं एससी/एसटी कल्याण मंत्री एवं बवाना से विधायक रविन्द्र इंद्राज सिंह ने बुधवार को रोहिणी सेक्टर 22 स्थित सरकारी सह शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, प्रहलाद पुर स्थित सर्वोदय कन्या विद्यालय एवं चांदपुर माजरा स्थित राजकीय सर्वोदय सह शिक्षा विद्यालय में आयोजित ओरिएंटेशन और पौधारोपण कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं का उत्साह बढ़ाया। श्री इंद्राज ने अभिभावकों से संवाद किया एवं स्कूल स्टाफ से बच्चों के समग्र विकास पर जोर देने का आग्रह किया।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के तहत हुए प्रयासों से शिक्षा जगत की तस्वीर बेहतर हुई है और नई शिक्षा नीति से व्यापक बदलाव हुए हैं। खेलो इंडिया योजना ने देश की झोली में कई पदक डाले हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों की सफलता केवल अकादमिक उपलब्धियों से नहीं, बल्कि नैतिक शिक्षा, खेल और तकनीकी दक्षता के समन्वय से सुनिश्चित की जा सकती है।

श्री इंद्राज ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को लगातार बेहतर किया जा रहा है। दिल्ली में 75 वर्ल्ड क्लास सीएम श्री स्कूलों की स्थापना की जा रही है। सरकारी स्कूलों में 350 कंप्यूटर लैब स्थापित होंगे। कक्षा दसवीं के रिजल्ट के आधार पर 11 वीं के 1200 मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिये जाएंगे।

एससी/ एसटी कल्याण मंत्री ने अभिभावकों और स्कूल स्टाफ को जानकारी देते हुए कहा कि सरकार की ओर से एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के लिए प्री मैट्रिक/ पोस्ट मैट्रिक, सीएम विद्यार्थी प्रतिभा योजना, मेरिट स्कॉलरशिप का पूरा लाभ देने के सख्त निर्देश हैं। समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि छात्रों के समग्र विकास के लिए पढ़ाई के साथ खेलों पर जोर देना भी बेहद जरुरी है। सीएम खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ओलंपिक और पैरालंपिक मेडल विजेताओं को स्वर्ण जीतने पर सात करोड़, रजत जीतने पर पांच करोड़ और कांस्य पदक जीतने पर तीन करोड़ रुपये प्रदान किये जाएंगे। साथ ही राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्कूली छात्रों को भी पाँच लाख रुपये तक की प्रशिक्षण सहायता और उच्च स्तरीय खिलाड़ियों को 20 लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। दिल्ली में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी भी तैयार हो रही है।

श्री इंद्राज ने कार्यक्रम के अंत में सभी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें और सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का पूरा लाभ उठाएं।

## बिहार के रेलवे बजट में ऐतिहासिक उछाल, 11 वर्षों में 9 गुना बढ़ोतरी: अश्विनी वैष्णव

### प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को मिला रेलवे विकास का नया आयाम: रेलमंत्री

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**गोरखपुर।** केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में बिहार में रेलवे के तहत हो रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में ऐतिहासिक लाभ प्राप्त हुआ है।

उन्होंने बताया की बिहार में 11 वर्ष पूर्व राज्य के लिए रेलवे बजट मात्र 1132 करोड़ रुपया था, उसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपया कर दिया है। यह नौ गुना वृद्धि बिहार की आकांक्षाओं और जरूरतों के प्रति केंद्र सरकार की गहन प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आखिरकार, इन परियोजनाओं की शुरूआत भी एनडीए सरकार ने की थी और समापन भी एनडीए सरकार ने किया है। इससे स्पष्ट है कि बिहार की जनता के साथ न्याय केवल एनडीए ही कर सकती है।

- शिवहर-सीतामढ़ी रेल परियोजना को मिली तेज गति, बागमती नदी पर ब्रिज का टेंडर जारी
- अमृत भारत ट्रेनें बनीं गरीबों की सुविधा का प्रतीक, बिहार को मिली नई कनेक्टिविटी

**शिवहर-सीतामढ़ी रेलवे प्रोजेक्ट को मिली नई गति:** लोकसभा में चर्चा के दौरान शिवहर-सीतामढ़ी परियोजना पर बोलते हुए श्री वैष्णव ने कहा कि यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। बागमती नदी पर बनने वाला पुल, जो देकुली धाम शिवहर को जोड़ेगा, उसके लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस परियोजना के भूमि अधिग्रहण के लिए 262 करोड़ रुपया की राशि पहले ही जमा कर दी गई है और कार्य तेजी से प्रगति पर है।

इसके अतिरिक्त, सीतामढ़ी-शिवहर नई रेल लाइन परियोजना के लिए 557 करोड़ रुपया स्वीकृत किए गए हैं, और उसका कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है।

**अमृत भारत ट्रेनों की सौगात:** श्री वैष्णव ने यह भी कहा कि बिहार के विभिन्न क्षेत्रों को नई अमृत भारत ट्रेनों से जोड़ा गया है, जो पटना से दिल्ली, दरभंगा से दिल्ली, और दरभंगा से बैंगलोर जैसे प्रमुख मार्गों पर शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा की अमृत भारत ट्रेनें प्रधानमंत्री की एक दूरदर्शी योजना का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य यह है कि गरीब से गरीब वर्ग को भी बेहतर और आधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल सेवा उपलब्ध कराई जा सके।

## कपिल मिश्रा ने तीज महोत्सव 2025 की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

### श्रद्धा, उत्साह और गरिमा का संगम होगा तीज महोत्सव: कपिल मिश्रा

**संजना भारती संवाददाता**

**नई दिल्ली।** दिल्ली सरकार द्वारा तीज महोत्सव 2025 को भव्य और समावेशी रूप से आयोजित करने के उद्देश्य से आज कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने दिल्ली सचिवालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस बैठक में ग्रेटर कैलाश की विधायक शिखा राय समेत बीजेपी की महिला मोर्चा से जुडी महिलाएं और महिला संगठनों की प्रतिनिधि मौजूद रहीं।

बैठक में आगामी 25 से 27 जुलाई को पीतमपुरा स्थित दिल्ली हाट में होने जा रहे तीज महोत्सव को लेकर रचनात्मक सुझावों पर चर्चा की गई ताकि दिल्ली की महिलाओं की अधिकतम भागीदारी इस महोत्सव में सुनिश्चित की जा सके और उत्सव में सांस्कृतिक गरिमा के साथ आधुनिक आकर्षण भी जोड़ा जा सके।

बैठक में कई नए विचार भी सामने आए जिनमें आंगतुक महिलाओं को पारंपरिक चूड़ियाँ और दुपट्टे भेंट करना, आकर्षक सेल्फी प्वाइंट लगाना ताकि सोशल मीडिया के जरिये उत्सव की झलकियां अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। इसके साथ ही कम से कम 20 झूले लगवाएं जायें ताकि महोत्सव में पहुँचने वाली हरेक महिला को पारंपरिक उल्लास का अनुभव हो सके। इसके अलावा लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को आमंत्रित करने और 'बुक माय शो' जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रचार करने के सुझाव भी मिले।

मीटिंग में बीजेपी की महिला मोर्चा की तरफ से महिलाओं द्वारा संचालित स्टॉल्स पर विशेष छूट देने का भी प्रस्ताव रखा गया ताकि अधिक से अधिक महिलाएं जुड़ें और महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन मिले।

इस अवसर पर मंत्री श्री मिश्रा ने कहा कि इस बार का तीज महोत्सव ऐतिहासिक होने जा रहा है। इस महोत्सव फिल्मी कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। हमें दिल्ली की महिलाओं की इस तीज महोत्सव में बड़े पैमाने पर भागीदारी की उम्मीद है। हमारा प्रयास है कि तीज महोत्सव परंपरा, उत्सव और सामुदायिक गौरव का प्रतीक बने। उन्होंने आगे कहा कि हरियाली तीज को लेकर आज एक सार्थक चर्चा हुई। हम चाहते हैं कि तीज महोत्सव श्रद्धा, उत्साह और गरिमा के साथ मनाया जाए।

बैठक में जन सहभागिता पर जोर दिया गया ताकि यह उत्सव सांस्कृतिक समृद्धि का अनुभव बने।

# सम्पादकीय

## भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

**हाल** ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के युनिफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरूआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं।

## जयंती

### मनोज कुमार

पूरा नाम: हरिकिशन गिरि गोस्वामी, जन्म: 24 जुलाई, 1937: मृत्यु: 4 अप्रैल 2025, मुंबई) फिल्म जगत के प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता, निर्माता व निर्देशक हैं। अपनी फिल्मों के जरिए मनोज कुमार ने लोगों को देशभक्ति की भावना का गहराई से एहसास कराया। मनोज कुमार 'शहीद-ए-आजम' भगत सिंह से बेहद प्रभावित हैं और इसी भावना ने उन्हें 'शहीद' जैसी कालजई फिल्म में देश के इस अमर सपूत के किरदार को जीवंत करने की प्रेरणा दी थी। 1992 में मनोज कुमार को भारत सरकार द्वारा 'पद्मश्री' से सम्मानित किया गया।

## पुण्यतिथि

### उत्तम कुमार

जन्म-3 सितम्बर, 1926, कोलकाता, बंगाल; मृत्यु-24 जुलाई, 1980, पश्चिम बंगाल) भारतीय सिनेमा में हिन्दी और बांग्ला फिल्मों के प्रसिद्ध अभिनेता थे। उनका मूल नाम 'अरुण कुमार चटर्जी' था। मुख्य रूप से बंगाली सिनेमा में काम करने वाले उत्तम कुमार एक अभिनेता होने के साथ-साथ फिल्म निर्देशक, निर्माता, गायक और संगीतकार भी थे। जिस तरह हिन्दी सिनेमा में राज कपूर और नरगिस की जोड़ी याद की जाती है, उसी तरह बंगाली सिनेमा में उत्तम कुमार और सुचित्रा सेन का कोई मुकाबला नहीं था। बंगाली सिनेमा में उत्तम कुमार को 'महानायक' की पदवी दी गई है।

## कल मिलेंगे

संता: यार, मुझे एक लड़की से प्यार हो गया है।
बंता: वाह! बधाई हो! कौन है वो?
संता: उसका नाम है, 'माइकल जैक्सन'!
बंता: (हैरान होकर) क्या? वो तो एक आदमी है!
संता: हाँ, पर क्या करूँ, मुझे तो वही चाहिए!

## संजना भारती दैनिक

**भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

**RNI No. : DELHIN/2016/70240**

**Phone No.: 9871221635**

**E-mail ID:** sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

# जब बिहार में पूर्वी भारत के विकास की अंगड़ाई आकार लेगी तो भाजपा की सरकारें स्वत: बनने लगेंगी

**पीएम मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के राज में बिहार में विकास पर ब्रेक लगा हुआ था। लेकिन बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है। चूंकि आप लोगों ने इस धरती को राजद और कांग्रेस की खतरनाक बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। इसलिए यह उसी का परिणाम है कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है**

-कमलेश पांडेय

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने मोतिहारी, बिहार के गांधी मैदान में एक चुनाव पूर्व रैली कर 7217 करोड़ रुपये की विभिन्न लोकलुभावन परियोजनाओं की सौगात दी। देखा जाए तो आगामी अक्टूबर-नवम्बर माह में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बीते महज 45 दिनों यानी डेढ़ महीने में उनका यह तीसरा बिहार दौरा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले उन्होंने 20 जून को सीवान में और 30 मई को बिक्रमगंज (रोहतास) में उनकी रैली हुई थी, जिस दौरान भी उन्होंने उन इलाकों में हजारों करोड़ रुपए के विकास कार्यों की शुरूआत हुई थी। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में उनके दौरे और बढ़ेंगे, जिससे साफ है कि यूपी में लगातार दूसरी पारी खेल रही भाजपा की देशव्यापी सफलता के लिए बिहार विस चुनाव अब काफी अहम हो चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि जब बिहार में पूर्वी भारत के विकास की अंगड़ाई आकार लेगी तो पड़ोसी राज्यों में भाजपा की सरकारें खुद-ब-खुद बनती चली जाएंगी। बस, थोड़ी मेहनत करनी होगी, जिससे वो कतई नहीं हिचकते। दरअसल, इसकी दो वजहें हैं- पहली, सियासत में यूपी-बिहार को महाराष्ट्र-गुजरात, राजस्थान-मध्यप्रदेश, हरियाणा-पंजाब, पश्चिम बंगाल-असम, कर्नाटक-आंध्रप्रदेश और केरल-तमिलनाडु आदि की तरह ही जुड़वा भाई समझा जाता है। दूसरी, भाजपा की सबसे पुरानी गठबंधन सहयोगी पार्टी जदयू अपनी प्रतिस्पर्धी राजनीतिक पार्टी राजद से जमीनी सियासी चुनौतियों का सामना कर रही है, जिससे ब्रेक के बाद भाजपा के सुनहरे राजनीतिक सपने भी प्रभावित होते आए हैं। यही वजह है कि यहां पर एनडीए के साथ-साथ भाजपा का भी मजबूत होना बेहद जरूरी है।

चूंकि हाल के वर्षों में पहले हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की फतह, फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत, ततपश्चात दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की फतह और उसके बाद उड़ीसा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के मुख्य सूत्रधार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रहे हैं, इसलिए उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत एनडीए की फतह के लिए अपना होमवर्क शुरू ही नहीं किया, बल्कि उसे तेज कर दिया है। यह इसलिए भी जरूरी है कि अगले वर्ष पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिसे जीतना भाजपा के लिए बहुत जरूरी है। ऐसा इसलिए कि यह जनसंघ (अब भाजपा) के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी का गृह प्रदेश के साथ साथ भारत की सांस्कृतिक राजधानी कोलकाता को प्रभावित करने वाला प्रदेश भी है। अभी हाल ही में बंगलादेश (पूर्वी पाकिस्तान) से जो चुनौती मिली या मिल रही है, उससे पश्चिम बंगाल में भाजपा का मजबूत होना अब राष्ट्रीय जरूरत बन चुकी है।

वहीं, वर्ष 2026 में ही असम विधानसभा के चुनाव भी होंगे, जिसमें भाजपा के कद्दावर मुख्यमंत्री हिमंता विश्वशर्मा की सरकार को रिपीट करवाना भी भाजपा नेतृत्व के लिए बेहद आवश्यक है। क्योंकि पूर्वोत्तर में भाजपा और एनडीए की बढ़त के पीछे असम की सियासत का बड़ा योगदान है। अपने देखा होगा कि तमाम तैयारियों के बावजूद भाजपा विगत झारखंड विधानसभा चुनाव में एक छोटी क्षेत्रीय पार्टी झामुमो के हाथों शिकस्त खा चुकी थी, क्योंकि उसे इंडिया गठबंधन का मजबूत साथ मिल गया। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वी भारत के सभी राज्यों में भाजपा को मजबूत करने की कमान अपने हाथ में ले ली है। क्योंकि 'मोदी है तो जीत मुमकिन है' वाला सियासी फॉमूर्ला प्रायः हर जगह पर हिट हो जाता है। बता दें कि देश के पूर्वी राज्यों में बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल के अलावा उत्तर-पूर्व के सात बहन राज्यों की भी गणना की जाती है, जिसमें असम का राजनीतिक स्थान महत्वपूर्ण है। माना जाता है कि पूर्वी भारत के 11 राज्य देश के सर्वाधिक पिछड़े और गरीब राज्यों में से एक हैं, जहां के लोगों का जीवन स्तर भी अपेक्षाकृत निम्न है। इसलिए भाजपा की सकारात्मक पहल यहां रंग ला सकती है।

यही वजह है कि बिहार की सियासी यात्राओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूर्वी भारत के विकास के सुनहरे सपने दिखा रहे हैं। पीएम मोदी ने मोतिहारी में दो टूक कहा- हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी को बनाना है। पूर्वी भारत के विकास के लिए बिहार को विकसित बनाना है। इस दौरान उन्होंने एनडीए सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि आज बिहार में तेजी से विकास का काम हो रहा है, क्योंकि केंद्र और बिहार में एनडीए की डबल इंजन सरकार है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं, वैसे ही अवसर गया जी में भी बनें। पुणे की तरह पटना में भी औधोगिक विकास हो। सूरत की तरह ही संथाल परगना का भी विकास हो। जयपुर की तरह जलपाईगुड़ी और जाजपुर में भी टूरिज्म के नए रिकॉर्ड बने। बंगलुरू की तरह वीरभूम के लोग भी आगे बढ़ें। ये इसलिए संभव है क्योंकि केंद्र और राज्य में बिहार के लिए काम करने वाली सरकार है। देखा जाए तो पूर्वी भारत के किसी भी राज्य में पीएम मोदी जाएं, लगभग एक समान बातें दोहराते हैं, ताकि पूर्वी भारत भी उत्तर भारत, दक्षिण भारत और पश्चिम भारत की तरह ही समग्र विकास के पैमाने पर खरा उतर सके।

एक आंकड़ा देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस और आरजेडी की सरकार थी, तो यूपीए के 10 साल में बिहार को सिर्फ दो लाख करोड़ रुपये के आसपास मिले थे। लेकिन जब 2014 में आपने मुझे सेवा करने का अवसर दिया तो केंद्र में आने के बाद मैंने बिहार से बदला लेने वाली उस पुरानी राजनीति को भी समाप्त कर दिया। पिछले साढ़े 11 साल में, एनडीए के 10 वर्षों में बिहार के विकास के लिए जो राशि दी गई है, वो पहले से कई गुना ज्यादा है। बिहार में ये पैसा जन कल्याण और विकास के काम आ रहा है।

पीएम मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि आरजेडी और कांग्रेस के राज में बिहार में विकास पर ब्रेक लगा हुआ था। लेकिन बिहार असंभव को भी संभव बनाने वाले वीरों की धरती है। चूंकि आप लोगों ने इस धरती को राजद और कांग्रेस की खतरनाक बेड़ियों से मुक्त किया, असंभव को संभव बनाया। इसलिए यह उसी का परिणाम है कि आज बिहार में गरीब कल्याण को योजनाएं सीधे गरीबों तक पहुंच रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी से एनडीए के चुनाव अभियान को एक कदम और आगे बढ़ाया है। यहां पर लाखों लोगों की मौजूदगी में उन्होंने "फिर एक बार एनडीए सरकार" का नारा बुलंद किया। वहीं, भाषण सुनने पहुंची महिलाओं से मुखातिब होते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज्य को आगे बढ़ाने में उनकी बड़ी भूमिका है। यह भी याद दिलाया कि नीतीश कुमार ने जीविका के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए बहुत कुछ किया। केंद्र सरकार भी अधिक से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने के लिए संकल्पित है।

नरेंद्र मोदी ने आगे कहा कि बिहार को आगे बढ़ाने में सबसे बड़ी ताकत बिहार के माता बहनों की है। एनडीए द्वारा उठाए जा रहे एक-एक कदम का महत्व बिहार की माताएं बहने अच्छी तरह समझती हैं। इतनी बड़ी संख्या में माताएं बहनें मुझे आशीर्वाद देने आई हैं। यह बिहार की बढ़ती ताकत में उनकी भागीदारी का संकेत है। पहले ना बैंकों में उनका ना खाता होता था, ना कोई घुसने देता था। आपको 10 रुपए भी छुपा कर रखना पड़ता था। इसलिए मोदी ने गरीब के लिए बैंकों के दरवाजे खुलवा दिए और अभियान चलाकर जनधन खाते खुलवाए। इसका सबसे बड़ा लाभ दलित परिवार की महिलाओं को मिला और आज 3.5 करोड़ जनधन खाते हैं। सरकारी योजनाओं का पैसा सीधा इन खातों में जा रहा है। इस प्रकार देखा जा रहा है कि प्रधानमंत्री के बार-बार बिहार दौरे से विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राजनीतिक माहौल भी निरंतर गर्म होता जा रहा है। चूंकि राज्य में मुख्य मुकाबला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और इंडी महागठबंधन (राजद, कांग्रेस, वाम दल) के बीच है। लेकिन, जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर भी पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरने की तैयारी में जुटे हुए हैं। इससे दोनों बड़े राजनीतिक समूहों को उम्मीद है कि जनसुराज को जितने अधिक वोट मिलेंगे, उनकी जीत की संभावना उतनी अधिक रहेगी। इसके अलावा, जनसुराज के मजबूती से उभरने की स्थिति में उनपर डोरे डालकर सत्ता तक पहुंचना आसान हो जाएगा।

# दुनिया की लाखों जिन्दगियां में जहर घोलता अकेलापन

**कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है**

-ललित गर्ग

**हर** छठा व्यक्ति अकेला है-यह निष्कर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ताजा रिपोर्ट का है, जिसने पूरी दुनिया को चिन्ता में डाला है एवं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर हम कैसी समाज-संरचना कर रहे हैं, जो इंसान को अकेला बना रही है। निश्चित ही बढ़ता अकेलापन कोई साधारण सामाजिक, पारिवारिक एवं व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसा वैश्विक मानसिक स्वास्थ्य संकट बनता जा रहा है, जो व्यक्तियों, समाजों, और व्यावसायिक संस्थानों को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवादहीनता की स्थितियों में नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। गौर करे तो इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां में महामारी के रूप में जहर घोल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। वृद्ध तो पहले से ही सामाजिक एवं पारिवारिक विसंगतियों में उपेक्षित है। निश्चय ही जीवन की विसंगतियां एवं विषमताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है।

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की लगभग 16 प्रतिशत आबादी आज किसी न किसी रूप में अकेलेपन, सामाजिक अलगाव या भावनात्मक दूरी का शिकार है। यह स्थिति केवल वृद्धजनों तक सीमित नहीं रही, बल्कि युवाओं, कामकाजी पेशेवरों, और यहां तक कि बच्चों तक फैल चुकी है। डिजिटल युग में जहां सब कुछ कनेक्टेड लगता है, वहीं इंसानी रिश्तों में एक अदृश्य दूरी, कृत्रिमता और आत्मीयता का अभाव देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में हम जितने अधिक जुड़े हैं, उतने ही भावनात्मक रूप से अकेले हो गए हैं। व्यक्तिवादी सोच, सामाजिक दुष्प्रभाव एवं रिश्तों की बिखरती दीवारों में अकेलेपन का घातक प्रभाव सामाजिक ढांचे पर गहरे रूप में पड़ रहा है। पारिवारिक संबंधों में दरारें, विवाहों में असंतोष, और तलाक की बढ़ती दरें इसकी साफ निशानी हैं। युवा पीढ़ी में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति और नशे की ओर झुकाव एक चिंताजनक ट्रेंड बन गया है। बुजुर्गों में अकेलेपन से उत्पन्न अल्जाइमर, डिमेंशिया और अन्य मानसिक रोग तेजी से बढ़ रहे हैं।

अकेलापन केवल किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत कमजोरी नहीं है, बल्कि यह समाज की सामूहिक विफलता का संकेत है। जब हम तकनीक, दौड़ और स्वार्थ में इतने उलझ जाते हैं कि किसी के पास ह्लसुनने का समयह्व नहीं रहता, तब अकेलापन जन्म लेता है। अब समय आ गया है कि हम फिर से रिश्तों, संवाद और करुणा की दुनिया की ओर लौटें। अन्यथा अकेलापन, उदासी और असंतुष्टि की भावनाएं कचोटती रहेगी। मानो खुद के होने का एहसास, कोई इच्छा ही ना बची हो। तब छोटी-छोटी चीजों में छिपी खूबसूरती नजर ही नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि बहुत से लोग जिंदा हैं, पर जीवित होने के जादुई एहसास को कम ही छू पाते हैं। सोच के भौतिकवादी एवं सुविधावादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से कुंठा, हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन या अकेले होने की ओर धकेल देती है। निश्चित ही सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है, कृत्रिम है, दिखावटी है। हर कोई सोशल मीडिया मंचों पर हजारों मित्र होने का दावा करता है, लेकिन ये मित्र कितने संवेदनशील है? कितने करीब है? इन प्रश्नों का उत्तर नकारात्मक ही है, यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल अकेला एवं गुमशुम होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता, अकेलापन दूर नहीं कर सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। जिससे व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप एवं एकल परिवारों का बढ़ता प्रचलन भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। लेकिन अब बुजुर्ग एकाकीपन एवं अकेलापन से जूझ रहे है। केरल में इसी तरह के वृद्ध-संकट को महसूस करते हुए वहां की सरकार ने वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है, जो एक सूझबूझभरा कदम है। आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित, अकेला एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को अकेलेपन को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल में अकेलापन एक त्रासदी न बन सके।

कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना एवं महंगी होती जीवनशैली ने अकेलापन के संकट को गहरा बनाया है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। व्यावसायिक क्षेत्रों में भी काम का बोझ इंसानों को अकेला बना रहा है। कार्यालयों और कार्यस्थलों पर भी अकेलापन एक गंभीर चुनौती बन रहा है। कर्मचारी भावनात्मक जुड़ाव की कमी के कारण कार्य में रुचि नहीं लेते। टीम वर्क, इनोवेशन और सहयोग पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। अकेलापन लंबे समय तक बना रहा तो यह बर्नआउट, कार्य से असंतोष और कर्मचारी त्यागपत्र जैसी स्थितियों को जन्म देता है। इससे उत्पादकता में भी गिरावट आती है। मेकिन्से और डेलॉइट जैसी वैश्विक कंसल्टिंग फर्म्स की रिपोर्टें दर्शाती हैं कि अकेलापन कर्मचारियों की उत्पादकता को 15-20 प्रतिशत तक घटा सकता है, जिससे कंपनियों को अरबों डॉलर का नुकसान हो सकता है। अकेलेपन के इस संकट से निपटने के लिए व्यक्तिगत, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। परिवार, मित्रों और सहयोगियों के साथ समय बिताना ही असली समृद्धि है। कंपनियों और संस्थानों में कर्मचारियों की मानसिक और भावनात्मक स्थिति को समझने वाला नेतृत्व चाहिए। डिजिटल संवाद की जगह आमने-सामने संवाद, वर्क फ्रॉम होम की जगह वर्क विद कम्युनिटी को प्राथमिकता देनी होगी। ऑफिसों और समाज में काउंसलिंग, समूह चर्चा, मेडिटेशन, और योग को प्रोत्साहन दिया जाए। सरकारों को अकेलेपन को एक जनस्वास्थ्य समस्या के रूप में मान्यता देनी चाहिए और सामाजिक समावेश के लिए ठोस कार्यक्रम चलाने चाहिए।

डब्ल्यूएचओ का वह आंकड़ा भी चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन एवं बेहूदा प्रतिक्रिया थी। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति अकेलपन को जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार अकेला या एकाकी होता जा रहा है। असल में अकेलापन तभी मिटेगा जब हम फिर से इंसान बनेंगे-संवेदनशील, सजीव, संवाद और रिश्तों की गर्माहटत से भरे हुए।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

## खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

# धरती का नर्क बन गया गाजा? 21 बच्चों ने भूख से तोड़ा दम

(एजेन्सी)।

**गाजा** पट्टी में एक ही दिन में चार बच्चों सहित कम से कम 15 फिलिस्तीनी भूख से मर गए, जिससे इजराइल युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या 101 हो गई है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई जब इजराइली सेना गाजा पर लगातार बमबारी कर रही है, जिसमें कम से कम 81 लोग मारे गए हैं, और संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र की स्थिति को भयावह बताया है, जिसमें हाल के दिनों में अभूतपूर्व मृत्यु और विनाश का स्तर है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में भुखमरी से संबंधित 15 मौतों में चार बच्चे शामिल हैं और कुल 101 मौतों में 80 बच्चे शामिल हैं। ज्यादातर मौतें पिछले कुछ हफ़्तों में हुई हैं। डॉक्टरों के अनुसार, मंगलवार को मरने वाले बच्चों में छह हफ़्ते का यूसुफ अल-सफादी भी शामिल था, जिसकी उत्तरी गाजा शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई, और 13 साल का अब्दुल हमीद अल-गलबान भी शामिल था, जिसकी दक्षिणी खान यूनिस स्थित एक अन्य चिकित्सा केंद्र में मौत हो गई। यूसुफ के चाचा, अदहम अल-सफादी ने रॉयटर्स समाचार एजेंसी को बताया कि शिशु की मां स्तनपान नहीं करा पा रही थी, क्योंकि वह खाना नहीं खा रही थी और परिवार को उसे खिलाने के लिए शिशु फामूर्ला नहीं मिल पा रहा था। अल-सफादी ने रॉयटर्स को बताया, आपको कहीं दूध नहीं मिल रहा है, और अगर मिल भी जाए, तो एक टब के लिए 100 डॉलर लगते हैं। माँ स्तनपान नहीं करा सकती।

खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए स्तन का दूध भी नहीं मिल रहा। बच्ची कुपोषण से मर गई।

# शेख हसीना को भागने पर मजबूर करने वाले छात्र फिर सड़कों पर उतरे

(एजेन्सी)।

**बांग्लादेश** में सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने वायुसेना के एक लड़ाकू विमान के ढाका के एक स्कूल में दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद जवाबदेही की मांग को लेकर रैली निकाली है। इस हादसे में 25 छात्रों सहित 31 लोगों की मौत हो गई। जब बांग्लादेश वायुसेना का एक लड़ाकू विमान उनके स्कूल में दुर्घटनाग्रस्त हुआ और उसमें आग लग गई, तो 12 साल से कम उम्र के कई बच्चे कक्षा से घर लौटने वाले थे। सेना ने कहा कि विमान में यांत्रिक खराबी आ गई थी। सेना ने कहा कि दोपहर में उड़ान भरने के बाद विमान में आग लग गई थी। हादसे की वजह अभी पता नहीं चल सकी है। बांग्लादेश की राजधानी में हाल के दिनों में हुई यह सबसे भीषण विमान दुर्घटना है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, ज्यादातर घायल छात्र थे। जब दो सरकारी अधिकारी दुर्घटनास्थल पर पहुँचे, तो स्कूल और आस-पास के कॉलेजों के छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। वे मृतकों की सही संख्या की माँग कर रहे थे और नारे लगा रहे थे हमारे भाई क्यों मारे गए? हम जवाब चाहते हैं! स्थानीय टीवी फुटेज के अनुसार, राजधानी के अन्य स्थानों पर, सैकड़ों प्रदर्शनकारी छात्र, जिनमें से कुछ लाठियाँ लहरा रहे थे, संघीय सरकार के सचिवालय के मुख्य द्वार को तोड़कर शिक्षा सलाहकार के इस्तीफे की माँग कर रहे थे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने मृतकों और घायलों के नाम उजागर करने, परिवारों को मुआवजा देने, उनके अनुसार पुराने और जोखिम भरे जेट विमानों को सेवा से हटाने और वायु सेना की प्रशिक्षण प्रक्रियाओं में बदलाव की माँग की।

# केएल राहुल ने इंग्लैंड में पूरे किए 1000 रन

(एजेन्सी)।

**भारत** और इंग्लैंड के बीच मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में चौथा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। जहां टॉस गंवाकर भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही हैं। इस दौरान टीम इंडिया के ओपनर बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बतौर सलामी बल्लेबाज राहुल ने भारत के दिग्गज सुनील गावस्कर के क्लब में एंट्री की है। दरसल, राहुल सुनील गावस्कर के बाद इंग्लैंड में बतौर सलामी बल्लेबाज एक हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं इंग्लैंड में एक हजार रन बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बने हैं। केएल राहुल के अलावा सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ही अभी तक ये कारनामा कर पाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में केएल राहुल 400 से ज्यादा रन बना चुके हैं। उन्होंने इस दौरान दो शतक भी लगाए हैं। राहुल इंग्लैंड में 13 टेस्ट में 1029 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने चार शतक और दो अर्धशतक ठोके हैं। जबकि सचिन तेंदुलकर ने इंग्लैंड में 17 टेस्ट में 1575 रन जडे. हैं। राहुल द्रविड़ के नाम 13 टेस्ट में 1376 रन हैं। सुनील गावस्कर ने 16 टेस्ट में 1152 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ विराट कोहली के नाम 1096 रन हैं। केएल राहुल के पास कोहली का रिकॉर्ड तोड़ने का भी मौका है। फिलहाल, केएल राहुल 98 गेंदों पर 46 रन बनाकर क्रिस वोक्स के शिकार बन गए। वहीं भारत का स्कोर खबर लिखे जाने तक, तीन विकेट के नुकसान पर 147 रन है।

# पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी ने दूसरे राउंड में बनाई जगह

**(एजेन्सी)**। ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता पीवी सिंधू ने बुधवार को जापान की छठी वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को 21-15, 8-21, 21-17 से हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन प्रतियोगिता के अंतिम 16 में प्रवेश किया। सिंधू ने बेहतरीन शुरूआत की और लगातार सात अंक लेकर पहले गेम में 13-5 की बढ़ बना ली और फिर आसानी से ये गेम अपने नाम कर लिया। वहीं दूसरे गेम में मियाजाकी ने बेहतरी वापसी की और लगातार 9 अंक लेकर 12-8 की बढ़ बना ली। जापान की खिलाड़ी ने ये गेम जीतकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सिंधू ने तीसरे और निर्णायक गेम में शुरू से अच्छा प्रदर्शन किया और लगातार बढ़त बनाए रखकर 62 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में जीत हासिल की।

# 'बीएसएनएल और सरकार को नहीं हुई कोई राजस्व हानि'

(एजेन्सी)।

**संचार** राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने बुधवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया कि बीएसएनएल और सरकार को कोई राजस्व हानि नहीं हुई है और सीएजी की रिपोर्ट में उद्धृत हालिया अनुमान कुछ धाराओं की गलत व्याख्या पर आधारित थे। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपनी रिपोर्ट संख्या 01/2025 में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) द्वारा 1,944.92 करोड़ रुपये के कुल संचयी वित्तीय नुकसान सहित संविदात्मक अनुपालन, योजना और बिलिंग में कुछ खामियों की ओर इशारा किया है।

कांग्रेस सांसद प्रणीति सुशील कुमार शिंदे द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या बीएसएनएल रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड (आरजेआईएल) के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट को लागू करने में विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप 1,757.76 करोड़ रुपये का तथाकथित नुकसान हुआ, मंत्री ने विस्तृत जानकारी दिए बिना जवाब दिया कि बीएसएनएल ने अपने उपकरण स्थापित करने के लिए बीएसएनएल के टावर बुनियादी ढांचे को पट्टे पर देने हेतु मेसर्स आरजेआईएल के साथ मास्टर सर्विस एग्रीमेंट (एमएसए) किए हैं।

लोकसभा में मंत्री के लिखित उत्तर में कहा गया है, "बीएसएनएल और सरकार को कोई राजस्व हानि नहीं हुई है। सीएजी का अनुमान ऐड-ऑन तकनीक के खंड की गलत व्याख्या पर आधारित था, जिसे अब पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से सुधार लिया गया है। बीएसएनएल ने तब से आरजेआईएल से संशोधित चालान जारी किए हैं।" एक अन्य प्रश्न में, मंत्री से पूछा गया कि क्या बीएसएनएल ने 80.64 करोड़ रुपये मूल्य के बड़े आकार के पीआईजेएफ भूमिगत केबलों की खरीद में अपने स्वयं के खरीद नियमावली से विचलन किया है, जो अप्रयुक्त हैं।

# एंजेलिना जोली ने करवाया अपना लेजर ट्रीटमेंट

**(एजेन्सी)**। हॉलीवुड अदाकारा एंजेलिना जोली ने कथित तौर पर अगले दशक तक बेहतरीन दिखने के लिए लेजर ट्रीटमेंट करवाया है। 50 वर्षीय एंजेलिना ने अपनी देखभाल को प्राथमिकता दी है और कहा जाता है कि वह कभी भी बेजान नहीं दिखना चाहतीं। एक रिपोर्ट में कहा गया है, "एंजेलिना हमेशा से अपनी त्वचा को धूप से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रही हैं। पिछले साल, उन्होंने अपनी देखभाल को प्राथमिकता देने का फैसला किया क्योंकि वह अगले दशक में बेहतरीन दिखना चाहती थीं।" इनटच वीकली की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, एंजेलिना अपनी त्वचा के स्वास्थ्य को पहले से कहीं ज्यादा प्राथमिकता दे रही हैं और अपनी खास चमक बनाए रखने के लिए आधुनिक त्वचा विशेषज्ञ उपचारों का सहारा ले रही हैं। एंजेलिना हमेशा से अपनी त्वचा को धूप से बचाने के प्रति समर्पित रही हैं। इससे उन्हें जवां दिखने में मदद मिली है।

# डीएम ने विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण, संग्रहण में तेजी लाने का निर्देश

**संजना भारती संवाददाता**

**अररिया।** जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अनिल कुमार के दिशा-निर्देश पर विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 का कार्य अररिया जिले में तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी द्वारा बुधवार को रानीगंज प्रखंड कार्यालय पहुंच कर निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ पर्यवेक्षकों एवं बीएलओ द्वारा किये जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा संबंधित कर्मियों को बीएलओ पंजी एवं गणना प्रपत्रों के त्रुटि रहित निष्पादन हेतु कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इसके अलावे निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी रानीगंज विधानसभा सह भूमि सुधार उप समाहर्ता अररिया को छुटे हुए मतदाताओं का गणना प्रपत्र अपलोड कराने सहित डुप्लीकेसी को ठीक करने, पलायन कर गये एवं मृत मतदाताओं से संबंधित आवश्यक कार्रवाई त्वरित गति से पारदर्शी एवं त्रुटिरहित पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

ज्ञातव्य हो कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के अंतर्गत गणना प्रपत्र भरने की अंतिम तिथि 26 जुलाई 2025 तक निर्धारित है। साथ हीं यदि किसी प्रकार की जानकारी या सहायता की आवश्यकता हो तो 1950 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

# डॉ. विजय कपूर को आकाशवाणी नई दिल्ली द्वारा टॉप ग्रेड सम्मान से किया गया सम्मानित

**एसबी ब्यूरो**

**दलसिंहसराय।** दलसिंहसराय क्षेत्र, मथुरापुर गांव निवासी डॉ. विजय कपूर को आकाशवाणी नई दिल्ली (भारत सरकार) द्वारा टॉप ग्रेड सम्मान प्राप्त हुआ है। जिसमे कलाकार को भारत सरकार द्वारा 'पंडित' की उपाधि दी जाती है। ये अपने क्षेत्र दलसिंहसराय के लिए गौरवान्वित का पल है। डॉ.कपूर जो इस भूमि में जन्म लेकर, अपने कर्म क्षेत्र काशी में विगत 35 वर्षों से संगीत संकाय, बी. एच.यू. में पढ़े भी और वही कार्यरत रहते हुए देश-विदेश में अपने जनपद एवं बिहार राज्य का सम्मान पूरी दुनिया मे बढ़ा रहे हैं।

इस सम्मान से इनके प्रशंसको में काफी हर्ष का माहौल है। अपने साथ-साथ इन्होने सैकड़ों शिष्यों को बिहार से काशी ले गए और वो आज सभी संगीत शिक्षक के रूप में बिहार सरकार में ही कार्यरत है। इन्हें बधाई देने वालों में युवा साहित्यकार मिन्टू कुमार झा, सीताराम शेरपुरी, प्रो. सत्यसंध भारद्वाज, डॉ. रामकुमार चौधरी, सरोज कुमार, योगानंद स्वामी, जगदीश चौधरी, चुनचुन बाबू, उमेश कुमार, हरिओम चौधरी आदि है।

# साठाजगत स्टेशन जाने के लिए पहुंच पथ नहीं राहगीरों की बढ़ी मुश्किलें

## 'साठाजगत रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए मूलभूत सुविधाओं का है अभाव'

**एसबी ब्यूरो**

**मंसूरचक(बेगूसराय)।** रेल अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा के कारण बरौनी- समस्तीपुर रेलखंड पर स्थित मंसूरचक प्रखंड क्षेत्र का इकलौता रेलवे स्टेशन साठाजगत मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। स्टेशन आने-जाने के लिए पहुंच पथ नहीं होने के कारण राहगीरों को जैसे तैसे खेतों की मेड़ व रेलवे ट्रैक पर से जाने की विवशता है। इस वजह से आए दिन लोग बदहाल रास्ते पर गिरकर चोटिल भी हो जाते हैं।

वही बरसात के मौसम में चारों तरफ का मार्ग झील में तब्दील हो जाता है।स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार ट्रेन यातायात थप कर विभाग को आवेदन भी दिया। लेकिन आज तक यहां यात्रियों को समुचित सुविधा मुहैया कराने की दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं हो रही है। पहुंच पथ नहीं होने के कारण यात्रियों को जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करने को विवश होना पड़ता है। प्रतेक चुनाव में जनप्रतिनिधियों द्वारा उक्त समस्या के स्थाई निदान का आश्वासन दिया जाता है। इसके बाबजूद अभी तक पहल नहीं होने से लोगों की परेशानी बरकरार है।आसपास के गांवों के लोगों ने आक्रोश जताते हुए कहा कि कई बार रात्रि के मौसम में यात्री रेलवे ट्रैक पर गिरकर घायल हो गए हैं।

वही यात्रियों ने कहा कि साठाजगत स्टेशन पर यात्री सुविधाओं का घोर अभाव है। प्लेटफार्म संख्या 1 पर बैठने के लिए बेंच तो है लेकिन शेड की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसी कारण गर्मी व बरसात में यात्रियों को काफी ज्यादा फजीहत झेलनी पड़ती है।

स्थानीय ग्रामीणों मो. तसौवर, अजीत कुमार, पशुपति चौधरी, पवन कुमार, अनिल यादव, मो. नौशाद, अशोक कुमार चौधरी, सतीश कुमार, कौशल किशोर, ब्रजेश कुमार आदि ग्रामीणों ने बताया कि साठाजगत स्टेशन परिसर में रात्रि के समय में लाइट का घोर अभाव रहता है। इसके कारण रात के समय यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं स्टेशन से गुमटी संख्या 28 तक आने के दौरान कई बार यात्री गड्ढे में गिर जाते हैं। मध्य रात्रि में यात्रियों को प्लेटफार्म संख्या 2 पर आने-जाने में अधिक परेशानी होती है। वही शौचालय व चापाकल की समुचित सुविधा नहीं है।

शौचालय नहीं रहने से महिलाओं को अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शौचालय विहिन साठाजगत रेलवे स्टेशन आम यात्रियों को काफी ज्यादा दिक्कत हो रही है। हालांकि कहने को तो दो-दो शौचालय हैं। लेकिन दोनों पूर्ण रूप से खंडहर बन चुका है। साठाजगत स्टेशन से गुमटी संख्या 28 तक आने-जाने वाली रास्ते को पूर्ण रूप से बंद कर दिया गया है। जिससे स्थानीय लोगों में भयंकर आक्रोश देखा गया। कभी भी रेलवे ट्रैक पर अप्रिय घटनाएं घटित हो सकती है। लोगों ने कहा जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन होगा।

# आज से कचहरी में चलेगा सघन जांच अभियान, फर्जी अधिवक्ताओं पर होगी एफआईआर

## बार द्वय सेन्ट्रल बार और बनारस बार का रुख फर्जी अधिवक्ताओं पर हुआ सख्त

कचहरी में उपस्थित अधिवक्ता जांच समिति के सदस्य। (छायाः एसबी)

**एसबी संवाददाता**

**वाराणसी।** आज से कचहरी में बार द्वय दी सेन्ट्रल बार एसोसिएशन और दी बनारस बार एसोसिएशन द्वारा गठित उड़ाका दल द्वारा फर्जी अधिवक्ताओं के विरुद्ध सघन अभियान चलाया जाएगा, जो भी अधिवक्ता बिना सीओपी और बिना बार कौंसिल पंजीकरण के कचहरी में काला पैंट, सफेद शर्ट, काला कोर्ट और बैंड लगाकर प्रैक्टिस करते पाया जायेगा उसके ऊपर बार एसोसिएशन द्वारा एफआईआर दर्ज कराया जाएगा।

बनारस बार एसोसिएशन के महामंत्री शशांक श्रीवास्तव ने हमारे संवाददाता को बताया कि बार द्वय सेन्ट्रल बार और बनारस बार द्वारा अधिवक्ता जांच समिति का गठन एक पखवाड़े पूर्व किया गया था, जांच समिति द्वारा दर्जनों लोगों को कचहरी में बिना बार कौंसिल पंजीकरण और बिना सीओपी के पकड़ा, जिन्हें कचहरी न आने की चेतावनी देकर छोड़ दिया गया लेकिन अब जांच समिति कलेक्ट्रेट और कचहरी में फर्जी अधिवक्ताओं के विरुद्ध सख्त रुख अपनायेगी और एफआईआर दर्ज करवायेगी।

जांच समिति में प्रमुख रूप से दिवाकर दूबे, ओम शंकर श्रीवास्तव, यामिनी शर्मा, जयश्री पाठक, रंजीत मिश्रा, कमलेश यादव, मंगला तिवारी, अमित उपाध्याय, राघवेन्द्र दूबे, गौतम कुमार झा आदि अधिवक्ता शामिल हैं।

# बिजली की अत्याधिक कटौती से नाराज विधायक ने अधीक्षण अभियंता को लगाई फटकार

**संजना भारती संवाददाता**
**मनोज कुमार बिन्द**

**बारा प्रयागराज।** विधान सभा क्षेत्र बारा में विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली पर विधायक बारा डॉक्टर वाचस्पति काफी नाराज हैं। बुधवार को उन्होंने अधीक्षण अभियंता प्रयागराज को अपने आवास पर बुलाया और जमकर फटकार लगाई।

विगत दिनों हुई बरसात और बाढ़ के बाद बारा क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति चरमरा गई है। हो रही कटौती और ट्रिपिंग से असंतुष्ट उपभोक्ताओं ने इसकी जानकारी विधायक बारा को दिया। इससे असंतुष्ट विधायक बारा ने अधीक्षण अभियंता विद्युत प्रयागराज को अपने आवास पर बुलाया।

विधायक बारा के मीडिया प्रभारी नीरज कुमार केसरवानी ने बताया कि विधायक ने स्पष्ट कहा है कि बिजली व्यवस्था में सुधार लाएं नहीं तो इसकी शिकायत मुख्यमंत्री से की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी है कि मेरे प्रतिनिधि विजय कुमार निषाद उर्फ श्यामू द्वारा दी गई सूची में से क्षमता वृद्धि के तहत जो ट्रांसफॉर्मर नहीं लगे है उनको तत्काल लगाया जाए, थोड़ा बहुत काम जो शेष बचा है उनको भी अतिशीघ्र पूरा कर लें। विद्युत आपूर्ति कम से कम अट्ठारह घंटे अवश्य हो।

# कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान, भारत की चौथी वर्षगांठ मनाई गई

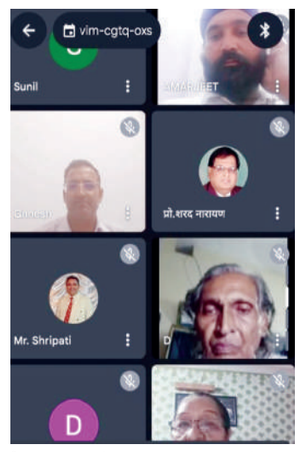


**एसबी ब्यूरो**

**बेगूसराय।** कलम की ताकत साहित्यिक संस्थान, भारत की स्थापना की चौथी वर्षगांठ काफी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर संस्थान के सभी पदधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर संध्या के समय आनलाईन एक कवि गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। कवि गोष्ठी का शुभारंभ संस्थान के महासचिव रामजी त्रिवेदी के सरस्वती वंदना से हुआ। उसके बाद प्रो. शरद नारायण खरे, राजेश कुमार वर्मा (पीलीभीत) उत्तर प्रदेश, चंद्रवती दीक्षित, महेश प्रसाद शर्मा बरेली ,श्रीपति रस्तोगी लखनऊ, बलविंदर कौर जम्मू-कश्मीर, गणेश भारद्वाज कठुआ, जम्मू-कश्मीर, विष्णु शंकर मीणा, कोटा, राजस्थान, डॉ. मधुकरराव लारोकर पुणे, महाराष्ट्र, डॉ. मधुसूदन तिवारी मंडला, मध्यप्रदेश, रमा भाटी जयपुर, विनीता चौरसिया शाहजहांपुर, योगेन्द्र प्रसाद अनिल, सुनील कुमार खुराना, डॉ. अम्बे कुमारी बोधगया, नंदकिशोर बहुखंडी देहरादून, सुशील कुमार पाठक छत्तीसगढ़ डॉ. शैलेश प्रसाद सिंहहाजीपुर, वैशाली बिहार प्रतिभा द्विवेदी मुस्कानसागर, मध्यप्रदेश, डॉ. मुरली मनोहर भट्ट उत्तरकाशी, डॉ. देवीदीन अविनाशी हमीरपुर आदि कवियों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं का खूब मनोरंजन किया।

इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष अमरजीत सिन्ह, उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश श्री वास्तव, महासचिव रामजी त्रिवेदी, संयोजक डॉ. शैलेश प्रसाद सिंह, मीडिया प्रभारी क्रांति पाठक, प्रचार सचिव डॉ. देवीदीन अविनाशी, राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो.डॉ. दक्षा एच. निमावत पृथा और कार्यक्रम आयोजक जगबीर सिंह कौशिक उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में मंडला निवासी आदरणीय डॉ.मधुसुदन तिवारी ने भाग लिया।

इस अवसर पर संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष अमरजीत सिन्हा ने इस संस्थान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। काव्य गोष्ठी के अंत में मीडिया प्रभारी ने सभी आगंतुकों को धन्यवाद दिया। वहीं संस्थान की अध्यक्षा डॉ. प्रो. दक्षा एच, निमावत 'पृथा' ने नए वर्ष में स्थलीय काव्य गोष्ठी कराने का आश्वासन दिया।

# पढ़ाई में बिना रुकावट के स्थान परिवर्तन की आजादी देती है इग्नूः डॉ धर्म पाल

## उम्र और स्थान के बंधनों से मुक्त इग्नू की दूरस्थ शिक्षा प्रणाली

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्म पाल ने बताया की इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) छात्रों को पढ़ाई जारी रखते हुए बिना किसी रुकावट के स्थान परिवर्तन की सुविधा प्रदान करता है। इग्नू अपने छात्रों को अपना स्टडी सेंटर और क्षेत्रीय केंद्र बदलने की सुविधा देता है, जिससे वे अपनी पढ़ाई को बिना बाधित किए किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो सकते हैं।

स्थान परिवर्तन की सुविधा का लाभ उठाने के लिए, छात्रों को अपने क्षेत्रीय केंद्र के माध्यम से स्थान परिवर्तन के लिए आवेदन करना होगा जोकि ईमेल के माध्यम से या लेटर के माध्यम से भी कर सकते है। इस सुविधा से छात्रों को अपनी पढ़ाई के दौरान लचीलापन मिलता है, क्योंकि वे अपनी सुविधा के अनुसार स्थान बदल सकते हैं। इसके साथ-साथ यदि विद्यार्थी किन्ही कारणों से किसी दूसरे शहर या राज्य में परीक्षा देना चाहता है इग्नू विद्यार्थियों को यह सुविधा भी प्रदान करता है। उन्होंने बताया की इग्नू का लक्ष्य शिक्षा को उन लोगों तक पहुंचाना है जो पारंपरिक कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाकर रेगुलर पढ़ाई नहीं कर पाते जैसे कि कामकाजी पेशेवर, गृहिणियां, विकलांग व्यक्ति, बीच में पढ़ाई छोड़ चुके लोग या दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोग। इग्नू के कार्यक्रम छात्रों को अपनी गति से अध्ययन करने की अनुमति देते हैं, जिससे वे अपनी व्यक्तिगत और व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं के साथ शिक्षा को संतुलित कर सकते हैं। इग्नू के कार्यक्रमों की लागत आमतौर पर पारंपरिक विश्वविद्यालयों की तुलना में कम होती है। इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल अपने शिक्षार्थी सहायता केंद्रों के माध्यम से निरंतर सहायता प्रदान कर रहा है। वर्तमान में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र करनाल के अंतर्गत लगभग 80000 विद्यार्थी सफलता पूर्वक उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

उन्होंने बताया कि इग्नू ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) और ऑनलाइन मोड में डिग्री प्रदान करने वाला विश्वविद्यालय है इग्नू भारत सरकार द्वारा स्थापित एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है और दुनिया का सबसे बड़ा विश्वविद्यालय है, जिसमें 30 लाख से अधिक छात्र नामांकित हैं।

इग्नू 300 से अधिक विभिन्न प्रमाणपत्र, डिप्लोमा, डिग्री और डॉक्टरेट कार्यक्रम प्रदान करता है। यह यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है और डीईबी और एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित है, जिससे यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मान्य है। इग्नू का मुख्य उद्देश्य सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करना है, चाहे वे कहीं भी रहते हों या उनकी कोई भी पृष्ठभूमि हो इग्नू के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले की अंतिम तिथि 31 जुलाई है क्षेत्रीय केंद्र करनाल का कोड 10 है।

# दीदी नीलम आनंद के जन्मोत्सव पर शिव शिष्यों ने किया पौधरोपण

**संजना भारती संवाददाता**

**भरगामा (अररिया)।** शिवशिष्यता की जननी एवं प्रेरणास्त्रोत पूज्य दीदी नीलम आनंद के 73वें जन्मदिवस के मौके पर पूरे बिहार में 20 से 27 जुलाई तक पौधारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत अररिया जिले भरगामा प्रखंड के पैकपार, भरगामा, जमुवान, खजुरी, सिरसिया हनुमानगंज, रघुनाथपुर, सिमरबनी में हरींद्रानंद फाउंडेशन के तत्वावधान सैकड़ों शिवशिष्यों द्वारा पौधारोपण किया गया। पौधरोपण हेतु जनजागरण के लिए सैकड़ों फलदार पौधों के साथ झांकी निकाली गई। इस मौके पर गगनभेदी नारे लगाए गए सांसे हो रही है कम,आओ वृक्ष लगाए हम, वृक्ष हैं धरा का आभूषण आओ दूर करें प्रदूषण जैसे गगनभेदी नारे लगाए गए और झांकी निकाली गई।

इस मौके पर शिव भक्त अशोक सिंह अपना उदगार व्यक्त करते हुए कहा की निरंतर होते हुए मानवीय मूल्यों के ह्रास एवं प्रकृति पर आसन्न संकट की भयावह स्थिति में शिवशिष्य हरींद्रानंद फाउंडेशन द्वारा विगत कई वर्षों से जन आवाम को शिव का शिष्य बनाकर बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान चलाकर मानव कल्याण के लिए अपनी महान भूमिका निभाता आ रहा है। वहीं इस मौके पर शिवभक्त बबलू रजक ने फाऊंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए साहब हरींद्रानंद का आभार व्यक्त किया।

हरींद्रानंद फाउंडेशन के शिव भक्तों ने बताया कि अगले 27 जुलाई तक पौधा लगाया जाएगा। बताया गया कि पौधे लगाने का एक हीं उद्देश्य है,कि लगातार जिस तरह हरे भरे पेड़ पौधे की कटाई हो रही है इससे लगातार लोगों को शुद्ध वातावरण से दूर होना पड़ रहा है। मालूम हो कि हरींद्रानंद फाउंडेशन के द्वारा पूरे भारत में पौधरोपण अभियान चलाया गया है ताकि आने वाले पीढ़ी को स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण में जिंदगी जी सकें।

**आवश्यक सूचना**

**तेजी** से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

**संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली**
**वाटसेप नम्बरः 9871221635**

# पंजाब सरकार ने हासिल किया अहम पड़ावः सात दिनों में कुल 169 बच्चों को किया गया रेस्क्यू-डॉ. बलजीत कौर

## जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई से कई स्थानों पर बच्चों द्वारा भीख मांगने की स्थिति पर लगी लगाम

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार बच्चों के अधिकारों एवं सुरक्षा के लिए संवैधानिक व मानवीय स्तर पर गंभीर एवं प्रतिबद्ध है। इसी मिशन के तहत प्रोजेक्ट जीवनजोत 2.0 के अंतर्गत आज राज्य के 15 जिलों में विशेष रेस्क्यू मुहिम चलाई गई, जिसमें 20 भीख मांगते बच्चों को बचाया गया। मुहिम के सातवें दिन तक कुल 169 बच्चों को रेस्क्यू किया जा चुका है। यह जानकारी सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने दी।

जानकारी साझा करते हुए उन्होंने बताया कि विभाग की जिला बाल सुरक्षा टीमों द्वारा ब ंाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, फाजिल्का, होशियारपुर, जालंधर, मानसा, मलेरकोटला, मोगा, पटियाला, रूपनगर, संगरूर, एस.ए.एस. नगर (मोहाली), श्री मुक्तसर साहिब और तरनतारन में कुल 29 स्थानों पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की गई।

डॉ. कौर ने बताया कि जमीनी स्तर पर योजनाबद्ध और ठोस तरीके से की गई कार्रवाई के अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। कई स्थानों पर कोई भी बच्चा भीख मांगते नहीं मिला, जो सरकार की कोशिशों की सफलता को दर्शाता है। बचाए गए 20 बच्चों में से दस्तावेजी जांच के बाद 9 बच्चों को उनके माता-पिता/परिजनों को सौंपा गया, 6 बच्चों को बाल गृहों में भेजा गया और 5 बच्चों की जांच अभी जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आज किसी भी मामले में न तो कोई एफ.आई.आर. दर्ज की गई है और न ही डीएनए टेस्ट की जरूरत पड़ी। यदि दस्तावेजी जांच के बाद आवश्यकता महसूस हुई, तो डीएनए जांच भी करवाई जाएगी। मंत्री ने यह भी कहा कि पंजाब सरकार केवल बच्चों को भीख मांगने से रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी प्रतिबद्ध है। उन्होंने जिला बाल सुरक्षा टीमों को सख्त हिदायतें दी हैं कि वे उन माता-पिता या संरक्षकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करें जो चेतावनियों के बावजूद अपने बच्चों को भीख मांगने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

# 12000 रुपए रिश्वत लेता सहायक सब-इंस्पेक्टर विजीलैंस ब्यूरो द्वारा काबू

**संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा**

**चंडीगढ़।** राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार चल रही मुहिम को जारी रखते हुये पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने थाना सदर संगरूर में तैनात एक सहायक सब-इंस्पेक्टर ( ए.एस.आई.) जगतार सिंह को 12,000 रुपए रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ़्तार किया है।

यहाँ यह खुलासा करते हुये राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि उक्त पुलिस मुलाजिम को संगरूर जिले के एक निवासी की तरफ से दर्ज की शिकायत के बाद गिरफ़्तार किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो के पास पहुँच करके दोष लगाया कि हाई कोर्ट की तरफ से जमानत मिलने के बाद उक्त ए. एस. आई. ने उसको उस केस की जांच में शामिल होने के लिए 15,000 रुपए रिश्वत की माँग की थी। इसके इलावा, उसने तलाशी के दौरान शिकायतकर्ता के घर से जब्त किया समान वापिस करने के बदले 20000 रुपए और माँगे हैं। प्रवक्ता ने बताया कि इस शिकायत की पड़ताल के बाद विजीलैंस ब्यूरो पटियाला रेंज की टीम ने ए.एस.आई. जगतार सिंह को दो सरकारी गवाहों की हाजिरी में शिकायतकर्ता से 12000 रुपए रिश्वत लेते हुये काबू कर लिया।

इस सम्बन्ध में दोषी के विरुद्ध विजीलैंस ब्यूरो के थाना पटियाला रेंज में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की सम्बन्धित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है और मामले की आगे जांच जारी है।

# अपने घर आंगन एवं खेत खलियान में करें पौधारोपण: विधायक सतपाल जांबा

## विधायक ने पूंडरी हलके के करीब 25 गांवों में लगाए लगभग 3500 पौधे, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**पूंडरी।** पूंडरी हलके का चहुंमुखी विकास करवाने के साथ-साथ विधायक सतपाल जांबा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी बेहतरीन कार्य कर रहे हैं। जिसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बरसाती मौसम में विधायक सतपाल जांबा ने हलके के करीब 25 गांवों में लगभग 3500 पौधे लगाए हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपने घर आंगन, खेत खलिहान व जहां भी संभव हो अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाएं और उनकी देखभाल करें।

विधायक सतपाल जांबा ने बताया कि उन्होंने गांव म्योली में 250 पौधे, फतेहपुर में 350, रसीना में 150, दुसैण में 100, आहूं में 150, टयोंठा में 150, डुलियाणी में 80, संगरौली में 150, धेरडू में 70, साकरा में 150, कौल में 200, पूंडरी में 250, मोहना में 100, सोलूमाजरा में 80, रावणहेड़ा में 50, टीक में 150, मटरवा खेड़ी में 70, सिकंदर खेड़ी में 100, हाबड़ी में 150, अहमदपुर में 50, बुच्ची में 80, मुन्नारेहड़ी में 100, सिरसल में 150, सांच में 150, जांबा में 220 तथा नेशनल हाइवे 152 डी पर 200 पौधे लगाए हैं। पौधारोपण अभियान आगे भी जारी रहेगा।

विधायक सतपाल जांबा ने 76वें राज्य स्तरीय वन महोत्सव के लिए बधाई देते हुए कहा कि पौधा रोपण करके हम सभी को अपने मानवीय कर्तव्यों का पालन करना चाहिए। प्राकृतिक संतुलन के साथ वातावरण स्वस्थ होगा तो हम सब स्वस्थ होंगे और बीमारियों से बचे रहेंगे। स्वस्थ व्यक्ति विकसित भारत बनाने में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सभी जीते हैं, दूसरों के लिए भी हमें कुछ न कुछ करके सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना चाहिए। अधिक से अधिक पेड़ लगाकर प्राकृतिक संतुलन को बनाने में अपना योगदान देना चाहिए। प्रकृति के कुछ नियम है, हम सभी को उसका पालन करना चाहिए।

# कांवड़ियों की सेवा करना सौभाग्य की बात: अनिल जयभारत

## कांवड़ियों के लिए सालवन मार्ग पर भंडारे का किया आयोजन

भंडारे का प्रसाद वितरित करते अनिल जयभारत। (छाया: एसबी)

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग**

**असन्ध।** शिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा भावना के उद्देश्य से कांग्रेस नेता अनिल जयभारत ने भंडारे का आयोजन किया। भंडारा सालवन मार्ग स्थित जयभारत सेवा सदन के सामने उनके द्वारा लगाए गए शिव भक्तों के लिए शिविर में लगाया गया। इससे पूर्व कांग्रेस नेता ने चार दिन से कावड़ियों की सेवा के लिए राहत शिविर का आयोजन किया हुआ था। इस अवसर पर दिन रात अटूट भंडारे का आयोजन किया। बड़ी संख्या में कावड़ियों ने प्रसाद ग्रहण किया। अनिल जयभारत ने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है और कावड़ियों की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। यह आयोजन न केवल धार्मिक बल्कि सामाजिक एकता को भी दर्शाता है।

इस अवसर पर भगत राम चोरकारसा, बिंद्र मूंड, देवा सिंह, विशाल तुरण, प्रदीप पूनिया, राहुल असंध, समाजसेवी सुभाष मूंड, पवन पहलवान, प्रवेश कुमार, नरेश गोगी, रामफल रोहिला, रवि शर्मा, विनोद प्रजापत, सोनू सिन्हा, मोनू धानक, बिजेंद्र नंबरदार आदि उपस्थित रहे।

# वादा खिलाफी व स्कूल प्रबंधन कमेटी ने मर्जर के विरोध में सौंपा ज्ञापन: राजकुमार कश्यप

**संजना भारती संवाददाता**

**राजौंद।** सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबंधित हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी यूनियन साझे मंच हरियाणा शिक्षा विभाग कर्मचारी तालमेल कमेटी के आह्वान पर हरियाणा सरकार की वादा खिलाफी व प्रत्येक गाँव में स्कूल प्रबंधन कमेटी की एक यूनिट बनाने के विरोध में 21 से 25 जुलाई तक ब्लॉक स्तर पर धरना प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपे जाएंगे।

इसी कड़ी में खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद के माध्यम से शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसकी अध्यक्षता राजकुमार कश्यप खंड प्रधान राजौंद हरियाणा विधालय अध्यापक संघ ने की व संचालन रामभगत ने किया।

राजकुमार कश्यप, खंड प्रधान राजौंद हरियाणा विधालय अध्यापक संघ ने बताया कि अगस्त तक हमारी मांगें नहीं मानी गई तो सात सितंबर को शिक्षा मंत्री हरियाणा सरकार का घेराव किया जायेगा।

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के जिला सचिव अमरनाथ किठानीया, बलजीत सिंह, सुशील ढुल तथा नगरपालिका कर्मचारियों के प्रधान प्रधान रोहताश ने बताया कि शिक्षा नीति 2020 की आड़ में केंद्र व राज्य सरकार लगातार सार्वजनिक शिक्षा के ढांचे को सिकोड़ रही है। मानी गई मांगो को लागू न करके बार-बार वादाखिलाफी कर रही है। प्रत्येक गाँव में एसएमसी की एक यूनिट बनाने के बहाने लगभग 5 हजार सरकारी स्कूलों के मर्जर की ब्यूरचना रची जा रही है। उन्होंने बताया कि कि रूल 2012 के अनुसार हरियाणा सरकार 50% अंकों की आड़ में अध्यापकों को एसीपी प्रदान नहीं कर रही है, जबकि काफी शिक्षकों की नियुक्ति इन नियमों के लागू होने से पहले की है। अतः स्पष्ट है कि इन नियमों की आड़ में हरियाणा सरकार एसीपी नहीं देना चाहती जो कि अध्यापकों के साथ सरासर अन्याय है। एक तरफ तो भाजपा सरकार पारदर्शिता का ढोल पीट रही है दूसरी तरफ कोई ना कोई बहाना लेकर अध्यापकों को लाभ प्रदान नहीं करती है। उन्होंने कहा कि तर्कसंगत ढंग से रशनेलाइजेशन करते अप्रैल माह तक सभी अध्यापकों के तबादले किए जाने चाहिए थे, परन्तु तारीख पर तारीख देकर तबादलो पर सरकार का टरकाऊ रवैया जारी है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक अध्यापकों से तबादले की शुरूआत करते हुए अतिथि अध्यापकों को भी ट्रांसफर ड्राइव में साथ ही शामिल किया जाए और उससे पहले अध्यापकों के सभी वर्गों की पदोन्नति सूचियां जारी की जाए। पीजीटी पंजाबी पर पदोन्नत सभी अध्यापकों को मनमर्जी से दूर दराज स्टेशन अलॉट कर दिए गए हैं, उन्हें अतिशीघ्र ऑनलाइन काउंसिलिंग से स्टेशन अलॉट किए जाए और प्राथमिक से सीनियर सेकेंडरी स्तर तक प्रत्येक कक्षा व हर विषय के विद्यार्थियों को अध्यापक उपलब्ध करवाया जाए। प्रत्येक स्कूल में चतुर्थ श्रेणी के पद सृजित किए जाए। अवैतनिक रूप से कार्य करने वाले एवं पार्ट टाइम कर्मचारियों के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध करवाया जाए।

11 नवंबर 2003 की पॉलिसी के तहत नियमित होने से रह गए कर्मचारियों को अतिशीघ्र नियमित किया जाए।नियमितीकरण की नीति बनाते हुए स्कूलों में कार्यरत सभी अनियमित शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों को पक्का किया जाए। सामाजिक सुरक्षा पुरानी पेंशन बहाल की जाए व चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान में आश्रित की आय की शर्त को हटाया जाए। लिपिक से सहायक के सभी पद पदोन्नति से भरे जाए, प्रत्येक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सहायक, खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उप अधीक्षक, डीईईओ ऑफिस में अधीक्षक व डीईओ ऑफिस में स्थापना अधिकारी का पद सृजित किया जाए। उन्होंने कहा कि सेवा सुरक्षा का ढिंढोरा पीटने के बावजूद कौशल के अध्यापकों के रोजगार से बार बार खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि चिराग योजना के माध्यम से सरकारी स्कूलों के बच्चों का एक सोची समझी चाल के तहत पलायन करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को विभिन्न प्रकार के ऑनलाइन ट्रेनिंग और गैर शैक्षणिक कार्यों में उलझाकर शिक्षा विभाग के आला अधिकारी सरकारी स्कूलों के अध्यापकों को विद्यार्थियों से दूर रखना चाहते है। सरकारी स्कूलों को बदनाम करके स्कूलों का निजीकरण करना सरकार का मुख्य उद्देश्य है। बार-बार उच्च अधिकारियों और सरकार के संज्ञान में लाया है कि अध्यापकों के प्रशिक्षण अप्रैल से सितंबर तक संपूर्ण हो जाने चाहिएं। लेकिन सरकार प्राइवेट कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए स्कूली बच्चों की पढ़ाई को दरकिनार करते हुए पूरे सत्र प्रशिक्षण जारी रखना चाहती है।

इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ सोम सिंह, कुलदीप सिंह, महाबीर सिंह, जसविंदर सिंह, किताब सिंह, क्लैरिकल स्टाफ कुलदीप सिंह तथा सर्व कर्मचारी संघ संदीप कुमार, राकेश, सुबे सिंह साथ समेत अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

# सावन शिवरात्रि पर्व पर प्राचीन पातालेश्वर मंदिर में भोलेनाथ के भक्तों की लगी लंबी कतारें

प्राचीन पातालेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना व शिवलिंग पर जलाभिषेक करते श्रद्धालु। (छाया: एसबी)

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग**

**असन्ध।** सावन माह के महाशिवरात्रि पर्व को शहर में धूमधाम हर्सोल्लास से मनाया गया। नगर के श्री बालाजी मंदिर सनातन धर्म मंदिर गोपाल कृष्ण, भद्रकाली गीता मंदिर, शिवालय मंदिर, खाटू श्याम मंदिर, राम मंदिर व प्राचीन पातालेश्वर मंदिर को रंग बिरंगी लड़ियों व लाइटों से सजाया गया।

पिछले दो सप्ताह से नगर में वाहनों में सवार डीजे पर झूमने वाले शिव भक्तों की महादेव के भजनों की गूंज रही। नगर के सबसे प्राचीन पातालेश्वर शिव मंदिर में भोर काल से ही शिव भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लग गयीं। नगर के समाज सेवी, धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के गणमान्य लोगों मन्दिर कमेटी प्रधान राम निवास गोयल, अंकुर मित्तल, बाबू राम गोयल, प्रदीप टाटा व विशाल गोयल नें शिव परिवार की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया। नीलकंठ व हरिद्वार से गंगा जल लेकर आये कावड़ियों के हर हर महादेव के जयकारों से पूरा नगर गुंजायमान हो गया। कमेटी प्रधान राम निवास गोयल व अंकुर मित्तल नें बताया कि पातालेश्वर शिव मंदिर नगर का सबसे प्राचीन मंदिर है। पूरा वर्ष यहां शिव भक्तों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।

इस अवसर पर रोशन बिन्दल, शिवरत्न मित्तल, शिशन ठरी, संजय रतक व जगमोहन गर्ग आदि उपस्थित रहे।

# कोमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) को लेकर कैथल पुलिस ने किए सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध

## शांतिपूर्ण तरीके से निर्बाध व नकल रहित परीक्षा संपन्न करवाने हेतु कटिबद्ध पुलिस शरारती तत्वों पर नियम अनुसार करेगी सख्त कार्रवाई

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**कैथल।** जिला में 26 व 27 जुलाई को आयोजित करवाई जाने वाली कोमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) के सफल व शांतिपूर्ण तरीके से संचालन को लेकर कैथल पुलिस द्वारा पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार करीब 600 पुलिस कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाई गई हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि एसपी आस्था मोदी द्वारा सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों व थाना प्रबंधकों को निर्देश दिए गए कि वे दिनांक 26 व 27 जुलाई को 33 परीक्षा केन्द्रो पर सीईटी परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों से सद् व्यवहार करे तथा असामाजिक तत्वों के साथ कड़ाई पूर्वक निपटने में संकोच न करें ताकि परीक्षार्थियों द्वारा दी जाने वाली परीक्षा निर्बाध रूप से नकल रहित एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाई जा सके। पुलिस द्वारा सभी परिक्षा केन्द्रो पर समुचित संख्या में पुलिस बल तैनात करने के अतिरिक्त पीसीआर व राइडर को आदेश दिए गये है कि वे इन क्षेत्रों में प्रभावशाली निरंतर पेट्रोलिंग करे। अगर उनके किसी काम में अनियमितता पाई गई तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एसपी आस्था मोदी ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार व रविवार सुबह व शाम के समय हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन द्वारा सीईटी ग्रुप सी लिखित परीक्षा के लिए आयोजन किया जाएगा, जिसके लिए पुलिस द्वारा सभी 33 परिक्षा केन्द्रो पर समुचित प्रबंध किए गए है। परीक्षा को बगैर किसी बाहरी हस्तक्षेप के संपन्न करवाने तथा कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए असामाजिक तत्वों को चेतावनी देते हुए पुलिस को इस प्रकार के तत्वों के खिलाफ कड़ाई पूर्वक निपटने के आदेश दिए गये है। इसके साथ साथ बस स्टैंड पर भी उचित पुलिस बल की ड्यूटियां लगाई गई है ताकि आमजन को किसी प्रकार की कोई परेशानी ना हो सके तथा कानून व्यवस्था बनाई रखी जा सके। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिलाधीश कैथल के द्वारा सभी परिक्षा केन्द्रो के आसपास परीक्षा केंद्रों की 200 मीटर की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लगाने के आदेश पारित किए जा चुके है, अतः परिक्षा केन्द्रो के आसपास भीड़ एकत्रित नहीं होने दी जाएगी व परीक्षा केंद्रों के आसपास की किसी भी फोटो स्टेट की दुकान को खोलने की अनुमति नहीं होगी। एसपी ने बताया कि यातायात थाना प्रभारी को आदेश दिए गए है कि परीक्षार्थियों के वाहनों की पार्किंग निर्धारित किए गए स्थानों पर करवाना सुनिश्चित करे तथा निर्बाध यातायात संचालन रखे।

एसपी आस्था मोदी।

एसपी ने परीक्षार्थियों व उनके अभिभावकों से सहयोग की अपील करते हुए हिदायत दी है कि नियमों की अनदेखी न करे तथा एचएसएससी व पुलिस के प्रोटोकॉल का पालन करे।

# नगर निगम की दुकानों के बकायादारों की 10 दुकानदारों की दुकानें होंगी सील: वैशाली शर्मा

**एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी**

**करनाल।** नगर निगम करनाल अब बकाया किराया नहीं चुकाने वाले किराएदारों पर सख्ती बरतने जा रहा है। निगमायुक्त डॉ. वैशाली शर्मा के निर्देश पर निगम की दुकानों का किराया नहीं भरने वाले 10 किराएदारों की दुकानों को सील करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन दुकानों पर कुल 22 लाख 1 हजार 23 रुपये की बकाया राशि है। निगम की प्रवर्तन टीम द्वारा इन सभी दुकानों को आगामी 29 जुलाई को सील किया जाएगा। इससे पहले टॉप-10 बकायादारों को अंतिम नोटिस भेजा गया था, लेकिन नोटिस मिलने के बावजूद किराएदारों ने बकाया राशि जमा नहीं करवाई। नगर निगम आयुक्त डॉ. शर्मा ने बताया कि अब हरियाणा नगर निगम अधिनियम 1994 के तहत इन दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। दुकान सील होने के बाद बकाया राशि की वसूली भी संबंधित किराएदार से की जाएगी।

# अमरनाथ भक्त जयराम राजकीय महिला महाविद्यालय सेरहदा में पहूंचे: अमरनाथ भक्त जी

**एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार**

**राजौंद।** अमरनाथ भक्त जी अमरनाथ भक्त जयराम राजकीय महिला महाविद्यालय सेरहदा में पहूंचे। अमरनाथ भक्त स्पेशल कालेज के स्टाफ से मिलने और उनका कुशलक्षेम जानने के लिए गांव सेरहदा में पहुंचे। उन्होंने कालेज की प्रिंसिपल मैडम श्रीमती मधु वालिया व अन्य स्टाफ सदस्यों से मुलाकात की और स्टाफ सदस्यों व कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि वो कालेज प्रबंधन कमेटी से बात करके उनके लिए भविष्य में पदों पर बरकरार रखने की सिफारिश करेंगे ताकि किसी को हटाया ना जा सके। प्रिंसिपल ने बताया कि टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ पिछले कई सालों से कालेज में सेवाएं दे रहे हैं। सरकार ऐसा कोई रास्ता निकाले कि लगातार पंद्रह बीस वर्षों से लगे हुए स्टाफ को हटाया ना जाए। श्री अमरनाथ भक्त जी 97 वर्ष के हो चुके हैं लेकिन आज भी समाज के लिए उनके दिल सेवा भाव है। उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता सतपाल चुग, अशोक सेरहदा व अन्य लोग मौजूद रहे।

# सीईटी परीक्षा को लेकर डीसी उत्तम सिंह ने ली समीक्षा बैठक

**एसबी विशेष संवाददाता**

**करनाल।** डीसी उत्तम सिंह ने हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा 26 व 27 जुलाई, 2025 को आयोजित होने वाली सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) को लेकर अधिकारियों को समीक्षा बैठक ली। उन्होंने परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा, अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्रों तक लेकर आने और अन्य जिलों में भेजने को लेकर ट्रांसपोर्ट प्लॉन, पेपर को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने का ट्रांसपोर्ट प्लॉन व परीक्षा केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाओं व अन्य तैयारियों को लेकर बैठक की। इस दौरान एडीसी सोनू भट्ट व हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य कपिल अत्रेजा और एसपी गंगाराम पूनिया भी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान डीसी उत्तम सिंह ने एसडीएम घरौंडा राजेश सोनी को निर्देश दिए कि वह पेपर को परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने के लिए रिजर्व गाड़ियों की व्यवस्था भी करें। यदि रास्ते में कोई गाड़ी खराब हो जाती है तो तत्काल दूसरी गाड़ी भेजकर पेपर को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाया जाए और इसकी वीडियोग्राफी भी की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी अधिकारी, कर्मचारी, स्टाफ सदस्य और सेंटर सुपरिडेंट को परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल लेकर जाने की अनुमति नहीं है। ड्यूटी दे रहे कर्मचारी की एंट्री बिना आई-कार्ड के नहीं होगी। परीक्षा के दौरान कोचिंग सेंटर व फोटो स्टेट की दुकानें पूरी तरह से बंद रहेंगी।

डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि जींद से जो अभ्यर्थी सीईटी परीक्षा देने के लिए करनाल आएंगे, उनकी बसों को करनाल पुलिस लाईन में रोका जाएगा। वहां से परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने के लिए स्टल बस सर्विस उपलब्ध होगी।

# लोकतंत्र की आवाज दबाने का प्रयास, हम चुप नहीं बैठेंगे : कुमारी सैलजा

## सांसद ने संसद में राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने पर जताई कड़ी आपत्ति

**एसबी विशेष संवाददाता**

**चंडीगढ़।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री व सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोकना लोकतंत्र का सीधा अपमान है। उन्होंने कहा कि संसद संवाद का मंच है, लेकिन मौजूदा सरकार संवाद से भाग रही है और विपक्ष की आवाज दबाने का हरसंभव प्रयास कर रही है।

कुमारी सैलजा ने कहा कि राहुल गांधी केवल ऑपरेशन सिंदूर पर नहीं, बल्कि बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट और सामाजिक तनाव जैसे मुद्दों पर बात करना चाहते हैं। लेकिन उन्हें बार-बार बोलने से रोका जा रहा है। यह सरकार लोकतांत्रिक परंपराओं को ताक पर रख रही है। उन्होंने कहा कि यदि विपक्ष को बोलने से रोका जाएगा तो यह लोकतंत्र नहीं, बल्कि एकतरफा शासन कहलाएगा। उन्होंने साफ किया कि विपक्ष अपनी आवाज उठाता रहेगा क्योंकि यह उनका संवैधानिक अधिकार है।

सांसद सैलजा ने विशेष तौर पर किसानों की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि एमएसपी की गारंटी, कर्जमाफी, सिंचाई की कमी और फसल बीमा में गड़बड़ियों जैसे मसले आज भी अनसुलझे हैं। सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं है। जब देश का अन्नदाता परेशान है और उसकी समस्याएं अनदेखी की जा रही हैं, तो यह लोकतंत्र की रीढ़ को कमजोर करना है, उन्होंने कहा। कुमारी सैलजा ने सिरसा सिविल अस्पताल में हुए एक गंभीर घोटाले का हवाला देते हुए कहा कि वहां सिर्फ 7,600 महिलाओं को कॉपर-टी लगाई गई, लेकिन रिकॉर्ड में 11,996 महिलाओं की एंट्री दिखाकर लगभग 8 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि निकाल ली गई। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महिलाओं की सहमति, गरिमा और स्वास्थ्य की कोई कीमत नहीं बची? उन्होंने कहा कि यह न केवल एक वित्तीय घोटाला है, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और स्वाभिमान का खुला अपमान है। जब मातृत्व और प्रसव जैसे पवित्र अनुभवों को भी भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया जाए, तो भाजपा सरकार किस सुरक्षा और सम्मान की बात करती है?

कुमारी सैलजा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कांग्रेस और विपक्ष चुप नहीं बैठेगा और जनता के हक में अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा।